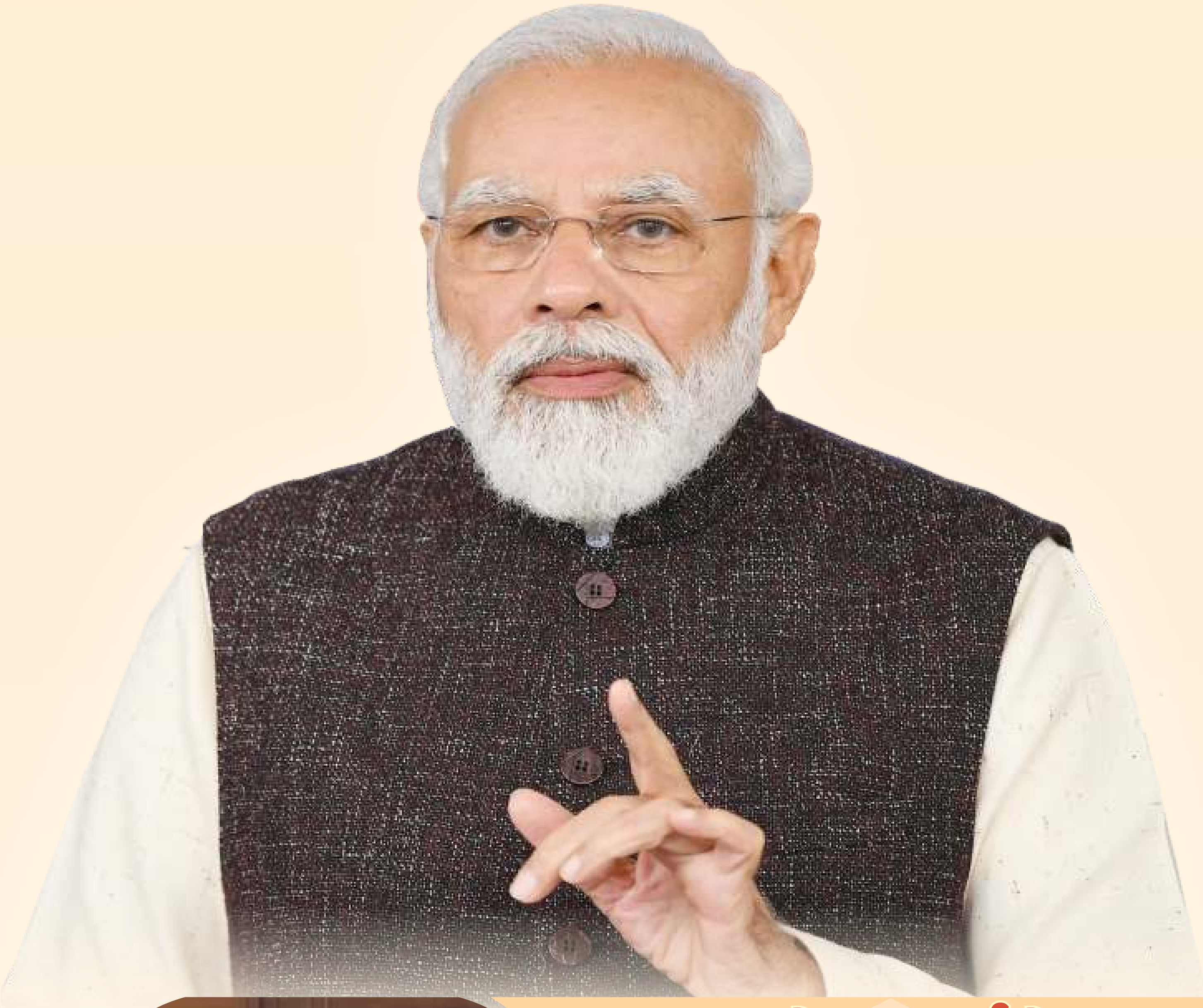

तुभ्यमेव समर्पयेत

वाराणसी एवं अन्य जिलों में कोविड नियंत्रण का कार्य

ए. के. शर्मा

माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जनता के साथ हम सब ने मिलकर कोरोना महामारी से युद्ध लड़ा

ये जंग अभी जारी है अपने और दुसरों के बचाव के लिए कोरोना नियमों का पालन करते रहें।

- ✓ स्वबचाव में ही बुद्धिमानी है।
- ✓ प्राथमिक लक्षणों को नजरअंदाज न करें।
- ✓ आवश्यक दवाएं समय से शुरू कर दें।
- ✓ घरेलु उपचार बहुत कारगर है।
- ✓ अपने डाक्टर से सलाह लेते रहें।

1. बाबा की कृपा, मोदी की दिशा

वाराणसी के कोविड व्यवस्थापन में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के निरंतर मार्गदर्शन के साथ-साथ महती भूमिका थी।

उनका कोटि-कोटि धन्यवाद

2. जनसेवा में सर्वस्व समर्पित

अप्रैल में बढ़ते हुए केसों के मद्दे नजर माननीय प्रधानमंत्री जी ने 12 अप्रैल 2021 को वाराणसी जाकर स्थिति नियंत्रित करने को कहा।

साथ ही माननीय मोदी जी ने स्वयं परिस्थिति का आकलन करने के लिए 15 अप्रैल को वीडियो कांफ्रेंस से समीक्षा भी की।

3. साहस एवं सूझबूझ

उस समय मची अफरा तफरी से निपटने के लिये तुरंत काशी कोविड रिस्पॉन्स सेंटर (KCRC) की स्थापना किया। इस सेंटर पर तीन शिफ्ट में 20-20 व्यक्ति रात-दिन फोन उठाते थे। उन्हें पूरे प्रोटोकॉल की ट्रेनिंग दी गयी थी। वहीं डॉक्टर भी उपलब्ध रहते थे।

KCRC से मरीज की स्थिति के हिसाब से मार्गदर्शन और चिकित्सा सुविधा के बारे में सलाह एवं सहायता दी जाती थी।

4. आगे की सोच

हेल्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर में जो कमियाँ थी उन्हें दूर करने का काम तुरंत शुरू कर दिया। परिणाम स्वरूप ऑक्सीजन युक्त बेड की संख्या जो अप्रैल के शुरू में 400 थी वह 10 गुना बढ़कर 4000 हो गयी।

इसके लिये वाराणसी पहुँचने के साथ ही विभिन्न अस्पतालों का प्रत्यक्ष जाकर निरीक्षण किया। बी.एच.यू. के वाइस चान्सलर एवं वरिष्ठ चिकित्सकों तथा प्रशासकों के साथ कई बार वहीं जाकर मीटिंग्स की।

सर सुन्दर लाल हॉस्पिटल, ट्रामा सेंटर, भाभा कैंसर इंस्टिट्यूट एवं वाराणसी के अन्य स्थानीय अस्पतालों में स्वयं जाकर वहाँ की व्यवस्थाओं का निरीक्षण कर के बेड की संख्या एवं अन्य सुविधाएं बढ़वाई।

5. एक ऐतिहासिक कार्य

माननीय मोदी जी की कृपा से मिला 750 बेड का डी.आर.डी.ओ. (पंडित राजन मिश्रा) कोविड अस्पताल मात्र 18 दिनों में शुरू किया गया।

विश्व स्तर का यह अस्पताल सभी सुविधाओं से युक्त है एवं देश के विशालतम अस्पतालों में से एक है।

6. सबका साथ, स्वयं पर विश्वास

प्रधानमंत्री कार्यालय, भारत सरकार एवं उ.प्र. सरकार से लगातार सहयोग मिला जिसकी वजह से वाराणसी का कोविड व्यवस्थापन अन्य जगहों से बेहतर रहा।

जब अन्य जगहों पर अभी सोचा भी नहीं गया था उससे पहले ही एक सप्ताह के अंदर वाराणसी में ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर मंगाये। 35 नए एच. .एन. एफ. सी. वेंटिलेटर आ गए जो अभी तक मात्र 54 थे।

इसी प्रकार सी. एस. आर. से नए ऑक्सीजन प्लांट लगाने का काम त्वरित शुरू हो गया। अप्रैल के अन्त में तो यहाँ नए प्लांट का उद्घाटन हो गया था।

उद्यमियों की मदद से ऑक्सीजन प्लांट की तकनीक का लोकलाइजेशन करा लिया और 500 एल.पी.एम. का प्लांट चंदौली में शुरू हो गया।

अब तक 01 दर्जन से ज्यादा नए ऑक्सीजन प्लांट वाराणसी में लग चुके हैं। इसके अलावा इस अनुभव के कारण पुरे पुर्वांचल में ऐसे प्लांट लगे।

7. वैज्ञानिक विश्लेषण

कोविड मरीजों की टेस्टिंग के लिए दो ऑटोमैटिक आर. एन. ए. एक्सट्रैक्टर मशीनें सी. एस. आर. की सहायता से मंगाई गयीं। जो अभी तक पूरे जिले में मात्र 02 ही थीं वो भी मानव चलित।

1. आटोमैटिक मशीनें लगने से RT-PCR टेस्टिंग की रिपोर्ट मिलने में जो चार से पाँच दिन का समय लगता था वो मात्र एक दिन हो गया।
2. इससे पॉजिटिव केसों का त्वरित इलाज संभव हो सका । संक्रमण कम होता गया।

8. आधुनिकता की ओर

ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर की पहली खेप हवाई जहाज से विदेश से मंगाई गयी। ये जीवन रक्षक मशीनें अत्यंत उपयोगी साबित हुईं।

9. मूलभूत बातों पर विचार

ऑक्सीजन की विकट परिस्थिति के मद्दे नजर 400 ऑक्सीजन सिलिंडर दूसरे राज्य से मंगाये और स्थानीय स्तर पर 200 ऑक्सीजन सिलिंडर इकट्ठे कर वितरित किये गए।

इसी प्रकार ऑक्सीजन आपूर्ति के लिए टैंकरों की व्यवस्था कर के ऑक्सीजन आपूर्ति को सुदृढ़ बनाया गया।

सैकड़ों सिलिंडर विदेश से भी मंगाये गये।

रेमडेसिविर सहित जरूरी दवाएं राज्य के अन्य जिलों की अपेक्षा कई गुना वाराणसी में वितरित हुईं।

सी.एस.आर. से उपलब्ध हुए:-

- 1500 आक्सिमीटर
- 1000 से ज्यादा ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर
- भाप लेने के कई सौ यंत्र

उपयोगी दवाओं की लगभग 02 लाख किट वाराणसी एवं पूर्वांचल सहित प्रदेश के 40 जिलों में बाँटे गए।

उन दवाओं की किट में दवा खाने के लिए संपूर्ण दिशा-निर्देश भी लिखा हुआ था।

दाताओं का धन्यवाद ।

11. फर्क दिखने लगा

गांवों एवं घरों में दवाएं और उपकरण पहुंचाने से वाराणसी की स्थिति इस भयानक विपदा में भी काफी ठीक रही :–

- केस एक दम घट गए। जो अफरा तफरी थी वो बंद हो गयी।
- बनारस के घाटों पर दाह संस्कार की दैनिक संख्या घटने लगी।
- स्वयंसेवी संस्थाओं के जरिए मरीजों को भोजन का वितरण भी किया गया।
- लोक सहयोग से कई काम करा लिए जैसे स्वेच्छा से दुकानदारों द्वारा दुकानें बंद रखना।
- आधुनिक टेक्नोलॉजी का उपयोग किया गया जिसका त्वरित असर हुआ।

बाद में तो अस्पतालों में आधे बेड खाली पड़े थे।
विभिन्न अस्पतालों में बेड की परिस्थिति को ट्रैफिक सिग्नलों पर लगे हुए इलेक्ट्रानिक डिस्प्ले बोर्ड पर भी देखा जा सकता था।

12. नई तकनीक का उपयोग

जी. आई. एस. तकनीक वाला 'कवच' (KAVATCH) नाम का मोबाइल ऐप बनवाया जो वाराणसी सहित पूर्वांचल के जिलों के लोगों को उपचार केंद्र, टीकाकरण केन्द्र और कोविड कंट्रोल रूम की जानकारी देता है।

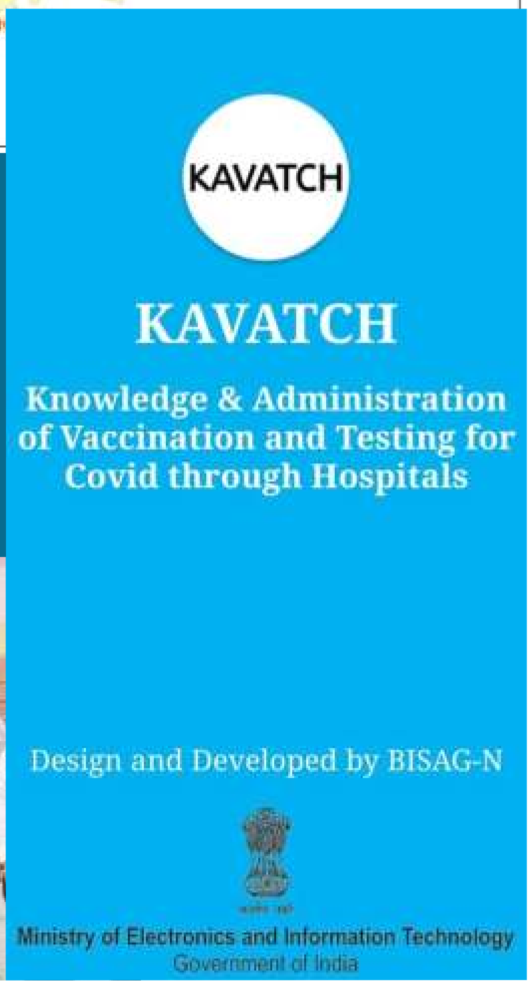

13. काशी–कवच

काशी में टेलीमेडिसीन की व्यवस्था की गयी जिसमें आई.एम.ए. के डॉक्टर, ई–कामर्स कंपनियाँ और पैथोलॉजी लैब मरीजों की मदद के लिए एक प्लैट्फॉर्म पर लाए गए। इस प्रयोग को काशी–कवच का नाम दिया गया।

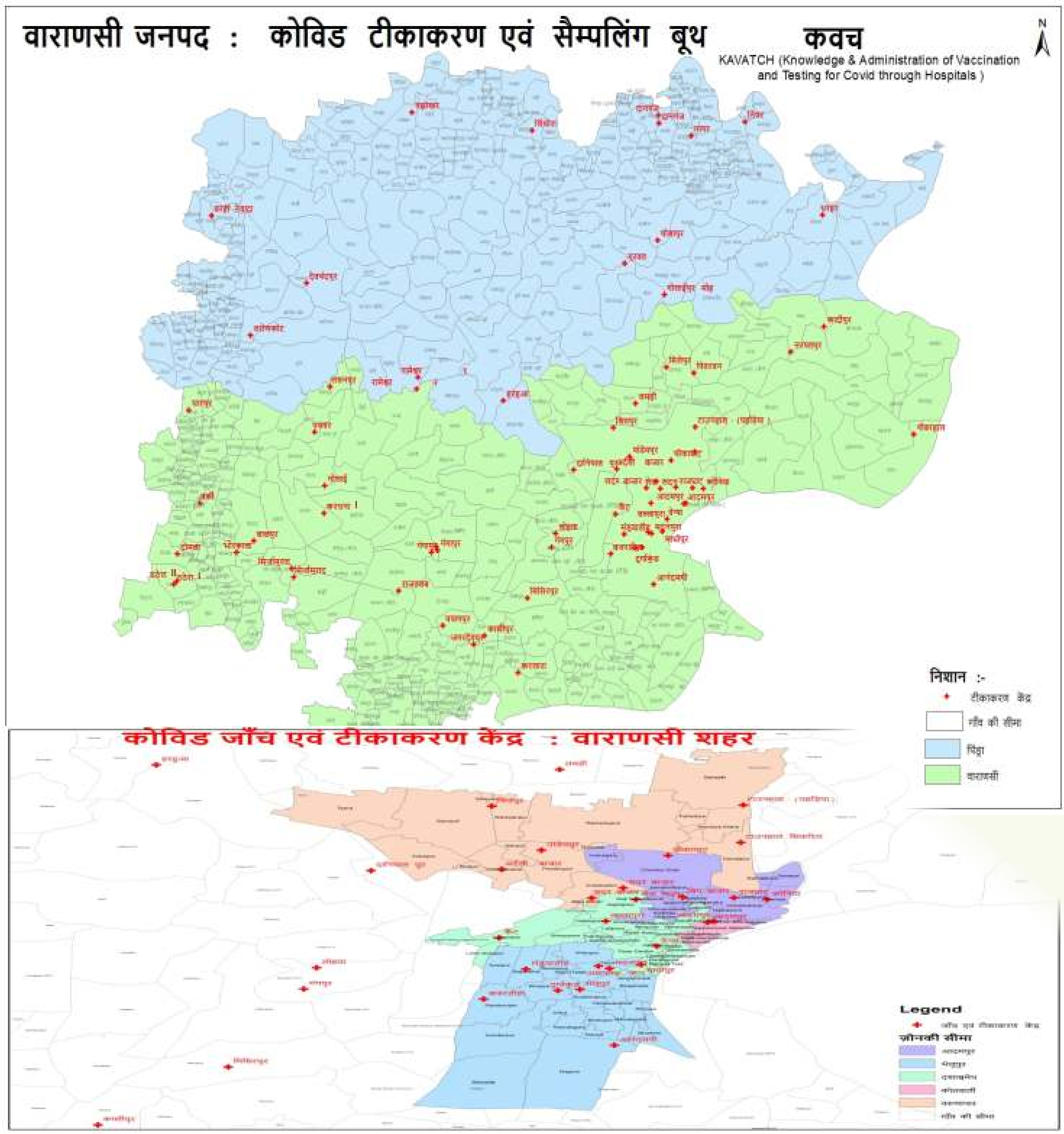

14. जहां बीमार वहीं उपचार

'जहाँ बीमार वहीं उपचार' की रणनीति के तहत गाँव एवं मुहल्लों में सम्बंधित कर्मियों की टीमें थर्मामीटर एवं ऑक्सीमीटर जैसे टेस्टिंग उपकरण और दवाओं के साथ भेजी गयीं। प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को 24x7 खुला रख कर अस्पतालों को सक्षम एवं सुलभ बनाया गया। के.सी.आर.सी. की हेल्पलाइन एवं टेलिमेडिसिन द्वारा दिन-रात सुझाव एवं सुविधा देकर 'जहाँ व्यक्ति बीमार था वहीं उपचार' किया गया।

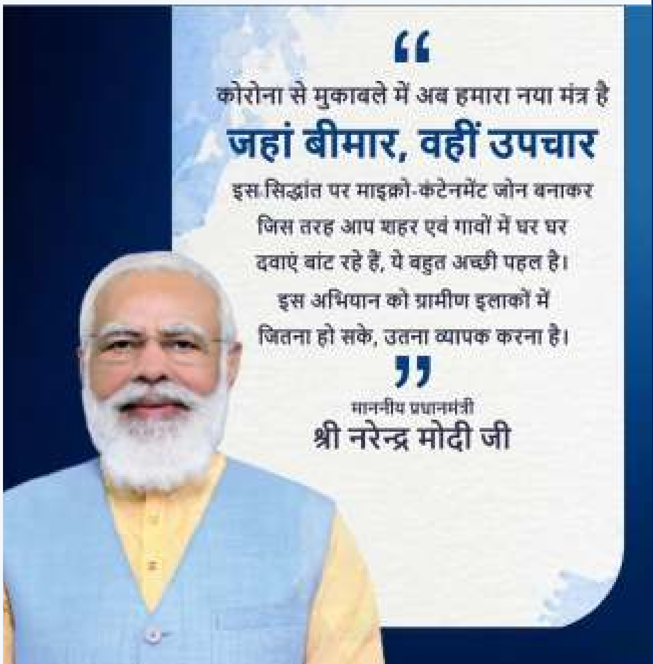

15. टीम वर्क से सफलता

वाराणसी जिले एवं शहर के विभिन्न क्षेत्रों में स्वयं दौरा कर के स्थिति का जायजा लिया।

गंगापुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (रोहनिया) पर मुलाकात

साथ ही स्थानीय अधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से बातचीत का सिलसिला रोज चलता रहा। उनसे मिली जमीनी जानकारी का उपयोग करके कोविड नियंत्रण का सारा कार्य किया गया।

पिंडरा स्वास्थ्य केंद्र पर मुलाकात

16. काशी से कुशीनगर तक
सोनभद्र से सहारनपुर, गाजीपुर से गाजियाबाद तक

1. वाराणसी में कोविड नियंत्रण का कार्य करते हुए ध्यान में आया कि पूर्वांचल के अन्य कई जिलों में सहायता की आवश्यकता है । इन प्रयासों की जानकारी पूर्वांचल के बाहर के जिलों को मिलते ही वहाँ से भी माँग आने लगी। इसलिए लगभग 40 जिलों में सहायता पहुँचाई।

2. जिलों के जिलाधिकारी एवं अन्य सम्बन्धितों से सम्पर्क कर के स्थानीय परिस्थिति की जानकारी ली गई और एक के बाद एक मण्डलों एवं जिलों को सहायता पहुँचाई गई।

3. जिसमें प्रमुखत: जरूरी दवाओं की किट, ऑक्सीजन कंसन्ट्रेटर,ऑक्सीमीटर थर्मामीटर जैसी आवश्यक वस्तुएं शामिल थीं।

माननीय प्रधानमंत्री जी की कृपा दृष्टि से मिली सामग्री से वाराणसी के उपरांत पूर्वांचल के सभी जिलों सहित राज्य के चालीस जिलों में कोविड सहायता पहुँचाई।

4. दवाओं के लाखों किट का घर-घर वितरण होने के कारण हजारों लोगों की जान बचाई जा सकी।

5. लोग अपने-अपने जिलों में और वहाँ के अस्पतालों में घर पर रह कर ही ठीक होने लगे। इसलिए बड़े अस्पतालों में भीड़ एवं अफरातफरी के माहौल से बचाने में सफलता मिली।

6. इस प्रयोग की वजह से वाराणसी के अस्पतालों पर नजदीक के जिलों के जो लोग आते थे वो संख्या भी कम हो गई।

कोविड की सम्भावित तीसरी लहर के प्रति तैयारी की योजना के तहत मई 2021 महीने में ही वाराणसी सहित पूर्वांचल के Indian Academy of Pediatrics (IAP), Academy of Pediatrics (AOP), Indian Medical Association (IMA) एवं मेडिकल कॉलेजों के बाल रोग विशेषज्ञों के साथ कई बार चर्चा के बाद एक एक्शन प्लान तैयार किया गया। जिसमें प्रमुख बातें थीं:-

- बच्चों में संक्रमण की सम्भावना के मद्देनजर उपचार का प्रोटोकॉल एवं एस. ओ. पी. तैयार करना;
- टीका करण पर विशेष ध्यान दिया जाना;
- माताओं का विशेष रूप से टीकाकरण;
- सरकारी एवं निजी क्षेत्र के अस्पतालों को चिन्हित करके उनकी व्यवस्थाओं को और भी उपयुक्त बनाना ;
- ऐसे संक्रमण के उपचार में उपयोगी मेडिकल साधन-सामग्री एवं दवाएं खरीदने के लिए समय से सरकारी तंत्र को सुझाव एवं मार्गदर्शन देना;
- स्वास्थ्य कर्मियों को इस बीमारी के विभिन्न पहलुओं पर मानसिक एवं तकनीकी रूप से तैयार करने के लिए ट्रेनिंग जिसमें प्रथम स्तर पर मास्टर ट्रेनर तैयार करना एवं बाद में आम स्वास्थ्य कर्मी की ट्रेनिंग करना।

मानव एवं मशीन दोनों ही दृष्टि से विशेष जरूरतों को पूरा करने के लिए स्वास्थ्य कर्मियों की ट्रेनिंग इस एक्शन प्लान का एक अति महत्वपूर्ण भाग था।

18. परिश्रम एवं प्रशिक्षण

- तीसरी लहर के एक्शन प्लान के अमल के लिये तुरंत ही Indian Academy of Pediatrics (IAP) एवं Academy of Pediatrics (AOP) Varanasi द्वारा दो दिवसीय ऑनलाइन ट्रेनिंग वर्कशाप आयोजित किया। इसमें उत्तर प्रदेश एवं अन्य राज्यों से 100 से ज्यादा लोग शामिल हुए। मुख्य अतिथि के रूप में इस सभा को सम्बोधित किया।
- इस ट्रेनिंग वर्कशाप में उत्तर प्रदेश के वाराणसी सहित पूर्वांचल के सभी जिलों तथा अन्य कई जिलों के स्वास्थ्य अधिकारी एवं कर्मी शामिल हुए। Indian Medical Association (IMA) एवं मेडिकल कॉलेजों के डॉक्टर, अन्य राज्यों के विशेषज्ञ एवं बड़ी संख्या में प्रशिक्षार्थी भी शामिल हुए।
- इसके बाद भी जून से दिसम्बर के बीच कुशीनगर एवं बहराईच में डाक्टरों की विशेष मीटिंग्स की गईं।
- इस जागृति एवं ट्रेनिंग से एवं ईश्वर की कृपा से उत्तर प्रदेश में तीसरी लहर का असर कम रखने में सफलता मिल रही है।

सेवा

समर्पण

सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामयाः

ए. के. शर्मा

पूर्व आई. ए. एस., सदस्य विधान परिषद्

प्रदेश उपाध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी

0522-2972671, 4322848 ask4bjp@gmail.com aksharmaBharat.in

TEJ tej.net.in | @aksharmaBharat | @aksharmabharatpage